प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के इस अध्ययन में आपका स्वागत है। आज हम अध्याय 16 पर विचार करेंगे। यदि आपने पिछले अध्याय नहीं पढ़े हैं, तो पहले उन्हें पढ़ लेना अच्छा है, ताकि आगे आने वाले अध्यायों को समझने के लिए आपके पास सही आधार हो।

इस अध्याय में मुख्य विषय सात कटोरों के बारे में है। पुराने समय में इन्हें “कटोरे” या “पात्र” कहा गया है। परमेश्वर का क्रोध कई स्थानों पर ऐसे दिखाया गया है जैसे कोई द्रव्य किसी पात्र में भरता जाता है। जैसे-जैसे मनुष्यों के पाप बढ़ते हैं, वैसे-वैसे वह पात्र भरता जाता है। जब वह भरकर छलकने लगता है, तब उस पात्र को मनुष्यों को पीने के लिए दिया जाता है—और उस पीने का अर्थ है परमेश्वर के क्रोध और न्याय को प्राप्त करना।

इसी कारण हम बाइबल में पढ़ते हैं कि जब इस्राएल के लोग परमेश्वर के विरुद्ध हो गए, तो परमेश्वर ने उन्हें बाबुल ले जाने का निश्चय किया। तब नबी यिर्मयाह को दर्शन मिला कि वह यहूदा के लोगों को परमेश्वर के क्रोध का कटोरा पिलाएँ। समय आने पर बाबुल का राजा उन पर चढ़ आया—बहुतों को मार डाला, और जो बचे उन्हें बाबुल में बंधुआ बनाकर ले गया। केवल यहूदा ही नहीं, बल्कि अनेक राष्ट्रों ने भी उस क्रोध का कटोरा पिया।

यिर्मयाह 25:15-17

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“इस्राएल के परमेश्वर यहोवा ने मुझ से कहा, मेरे हाथ से क्रोध की इस मदिरा का कटोरा ले और उन सब जातियों को पिला जिनके पास मैं तुझे भेजता हूँ।
वे पियेंगे और लड़खड़ाएँगे और पागल हो जाएँगे, उस तलवार के कारण जिसे मैं उनके बीच भेजूँगा।
तब मैंने यहोवा के हाथ से वह कटोरा लिया और उन सब जातियों को पिलाया जिनके पास यहोवा ने मुझे भेजा।”

प्रकाशितवाक्य में भी हम देखेंगे कि महान बाबुल—वह स्त्री जो व्यभिचारियों की माता कहलाती है—उसे भी परमेश्वर के क्रोध का कटोरा दिया जाएगा (प्रकाशितवाक्य 16:19)।

लेकिन इस अध्याय में हम देखते हैं कि सात स्वर्गदूतों के पास सात कटोरे हैं। यह केवल किसी एक राष्ट्र के लिए नहीं, बल्कि पूरी पृथ्वी के लिए परमेश्वर का क्रोध है। थोड़े लोगों के लिए तो एक प्याला ही काफी होता, परंतु यहाँ पूरे संसार के पापों ने इन कटोरों को भर दिया है।

परमेश्वर दयालु है; इसलिए उसने केवल एक कटोरा नहीं रखा—उसने सात रखे। यदि केवल एक होता तो बहुत पहले ही भरकर मनुष्यों का नाश हो जाता। परंतु मनुष्यों की दुष्टता ने इन सभी सातों को भर दिया है। अब ये पृथ्वी पर उंडेले जाएंगे—लोगों को पिलाए नहीं जाएंगे, बल्कि उन पर उंडेले जाएंगे। यह और भी भयानक है।

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

आने वाले तीन भयानक समय

आगे मनुष्यों के सामने तीन भयानक घटनाएँ हैं:

1. महान क्लेश (Great Tribulation)
2. प्रभु का दिन (Day of the Lord)
3. आग की झील (Lake of Fire)

आज हम विशेष रूप से प्रभु के दिन के बारे में समझेंगे।

महान क्लेश उस समय होगा जब मसीह-विरोधी (Antichrist) लोगों को पशु का चिन्ह लेने के लिए बाध्य करेगा। जो सच्चे मसीही उस चिन्ह को लेने से इनकार करेंगे, उन्हें सताया जाएगा और अंत में बहुतों को मार दिया जाएगा। यह समय लगभग तीन वर्ष और छह महीने तक रहेगा।

जब यह समय समाप्त होगा और बहुत से विश्वासियों की हत्या हो चुकी होगी, तब पृथ्वी पर बचे हुए लोग—जिन्होंने पशु का चिन्ह स्वीकार किया—प्रभु के दिन के न्याय में प्रवेश करेंगे।

प्रभु का दिन

बाइबल बताती है कि यह दिन अत्यंत भयावह होगा।

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

आमोस 5:18-20
“हाय तुम पर जो यहोवा के दिन की लालसा करते हो! यहोवा का दिन तुम्हारे लिए क्यों हो? वह अन्धकार है, प्रकाश नहीं।
जैसे कोई सिंह से भागे और भालू से मिले…
क्या यहोवा का दिन अन्धकार नहीं होगा?”

यशायाह 13:9
“देखो, यहोवा का दिन आता है—क्रोध और भयानक रोष का दिन—जिससे पृथ्वी उजाड़ हो जाएगी और पापी उसमें से नाश किए जाएंगे।”

यहाँ “दिन” का अर्थ केवल 24 घंटे का दिन नहीं है, बल्कि एक विशेष समय अवधि है। भविष्यद्वक्ता दानिय्येल 12:12 के अनुसार यह समय लगभग 75 दिनों का होगा।

इससे पहले सात तुरहियाँ बजेंगी (प्रकाशितवाक्य अध्याय 8 और 9), जो पृथ्वी के लिए चेतावनी होंगी। परंतु लोग फिर भी पश्चाताप नहीं करेंगे।

सात कटोरे

पहला कटोरा

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

प्रकाशितवाक्य 16:2
“पहले ने अपना कटोरा पृथ्वी पर उंडेला, और उन मनुष्यों पर जिनके पास पशु का चिन्ह था भयानक और पीड़ादायक फोड़े निकल आए।”

ये सामान्य फोड़े नहीं होंगे—भयानक और अजीब बीमारी होगी जो पहले कभी नहीं देखी गई।

दूसरा कटोरा

प्रकाशितवाक्य 16:3
“दूसरे ने अपना कटोरा समुद्र में उंडेला और वह मरे हुए के लहू के समान हो गया; और समुद्र की सब जीवित वस्तुएँ मर गईं।”

समुद्र का सारा जीवन समाप्त हो जाएगा।

तीसरा कटोरा

प्रकाशितवाक्य 16:4-6
“तीसरे ने अपना कटोरा नदियों और जल के सोतों में उंडेला और वे लहू बन गए… क्योंकि उन्होंने पवित्र लोगों और भविष्यद्वक्ताओं का लहू बहाया था।”

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

लोग प्यास से तड़पेंगे, पर उन्हें पानी के स्थान पर रक्त ही मिलेगा।

चौथा कटोरा

प्रकाशितवाक्य 16:8-9
“चौथे ने अपना कटोरा सूर्य पर उंडेला और उसे मनुष्यों को आग से झुलसाने का अधिकार दिया गया।”

सूर्य की गर्मी अत्यधिक बढ़ जाएगी। पृथ्वी रेगिस्तान जैसी हो जाएगी, फिर भी लोग परमेश्वर को कोसेंगे।

पाँचवाँ कटोरा

प्रकाशितवाक्य 16:10-11
“पाँचवें ने अपना कटोरा पशु के सिंहासन पर उंडेला और उसका राज्य अन्धकार से भर गया।”

लोग पीड़ा से अपनी जीभ चबाएँगे, फिर भी पश्चाताप नहीं करेंगे।

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

छठा कटोरा

प्रकाशितवाक्य 16:12-16

महान हर-मगिद्दोन का युद्ध (Armageddon) होगा, जहाँ पृथ्वी के राजा युद्ध के लिए एकत्र होंगे।

सातवाँ कटोरा

प्रकाशितवाक्य 16:17-18
“सातवें ने अपना कटोरा आकाश में उंडेला… और एक बड़ी आवाज़ आई—‘हो चुका!’
और ऐसी बड़ी भूकम्प आया जैसा मनुष्य के पृथ्वी पर होने के बाद कभी नहीं हुआ।”

भयानक भूकंप, अंधकार और बड़े-बड़े ओलों की वर्षा होगी।

मत्ती 24:30
“तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा… और वे मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ्य और महिमा के साथ आते देखेंगे।”

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

अंतिम चेतावनी

मित्र, ये बातें सच में घटित होंगी। परमेश्वर हमें पहले से चेतावनी देता है ताकि हम पश्चाताप करें।

प्रकाशितवाक्य 16:15
“देख, मैं चोर के समान आता हूँ। धन्य है वह जो जागता रहता है और अपने वस्त्रों को संभाले रहता है।”

उद्धार का निमंत्रण

यदि आप आज अपना जीवन प्रभु यीशु को देना चाहते हैं, तो विश्वास के साथ यह प्रार्थना करें:

“हे प्रभु यीशु, मैं एक पापी होकर तेरे सामने आता हूँ।
मैं अपने सभी पापों से पश्चाताप करता हूँ।
मुझे क्षमा कर।
आज से मैं तेरा मार्ग चुनता हूँ।
तेरी अनुग्रह मेरे ऊपर बना रहे।
मेरे जीवन के सभी दिनों में मैं तेरी सेवा करूँ।
धन्यवाद प्रभु यीशु कि तूने मुझे सुना और मुझे क्षमा किया।

प्रकाशितवाक्य: अध्याय 16

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

आमीन।”

यदि आपने सच में पश्चाताप किया है, तो अगला कदम है बपतिस्मा लेना और पवित्र आत्मा को ग्रहण करना।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

अगला भाग: प्रकाशितवाक्य – अध्याय 17।

यदि आप चाहें, तो मैं इसे और अधिक स्वाभाविक हिन्दी (भारतीय हिन्दी बाइबल शैली) में भी संपादित कर सकता हूँ या इसे प्रचार / उपदेश के रूप में सुंदर फॉर्मेट में भी बना सकता हूँ।

Share on:
WhatsApp